रोजगार सहायता शिविर

राज्य सरकार बेरोजगारी की बढ़ती हुई समस्या से चिंतित है एवं बेरोजगार आशार्थियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से बेरोजगार युवक – युवतियों में रोजगारोन्मुख कौशल विकास कर उन्हे अधिक से अधिक संख्या में निजी क्षेत्र में नियोजित करवाने हेतु प्रयासरत है। इस दिशा में रोजगार विभाग समय –समय पर जिला स्तर पर रोजगार सहायता शिविर आयोजित कर निजी क्षेत्र की अग्रणी कम्पनियों एवं प्रशिक्षणदाता एजेन्सियों को आमंत्रित कर बेरोजगार आशार्थियो को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाता हैं।

रोजगार विभाग द्वारा वर्ष 2004–05 से रोजगार सहायता शिविरों के माध्यम से बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना आरम्भ किया गया। रोजगार सहायता शिविरों में रोजगार चाहने वाले एवं रोजगार उपलब्ध कराने वाले पक्षों को एक मंच पर लाने और उनमें संवाद स्थापित करने का अवसर उपलब्ध करवा कर नियोजन का प्रयास किया जाता है।

वर्ष 2004–05 में राज्य के विभिन्न जिलों में 20 रोजगार सहायता शिविर आयोजित किये गये जिनमें कुल 9153 बेरोजगारों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुये।

वर्ष 2005–06 में कुल 32 रोजगार सहायता शिविर आयोजित किये गये जिसमे 28762 बेरोजगारो को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुये। बूंदी जिले में रोजगार सहायता शिविर राजस्थान आजीविका मिशन जयपुर द्वारा आर्थिक सहायता देकर आयोजित कराया।

वर्ष 2006–07 में राजस्थान के समस्त 32 जिलो में राजस्थान आजीविका मिशन के आर्थिक सहयोग से 41 रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन किया गया जिनमें 46329 बेरोजगारों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।

वर्ष 2007–08 में मिशन के आर्थिक सहयोग से कुल 38 रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन हुआ जिनमें 44928 बेरोजगारों को रोजगार/स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुये।

वर्ष 2008–09 में 32 रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 74423 आशार्थियो को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये गये।

वर्ष 2009–10 में मार्च 2010 तक 39 वृहद रोजगार सहायता शिविर एवं 10 लघु रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 268951 आशार्थियों ने भाग लिया एवं 1403 सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के नियोजको ने सहभागिता कर कुल 89273 बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।

वर्ष 2010–11 में मार्च 2011 तक 39 वृहद रोजगार सहायता शिविर एवं 4 लघु रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 255052 आशार्थियों ने भाग लिया एवं 1620 सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के नियोजको ने सहभागिता कर कुल 1,08,229 बेरोजगार आशार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गये।